नाम- हठ प्रदीपिका

शारदा

No- 29

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

80

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆫𑆂 𑇆 [illegible] 𑆮𑆴𑆑𑆬𑇀𑆥 [illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible] 𑆩𑆮𑆴𑆮 [illegible] 𑇆 [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

कृ. ०.
धृ
१४

विविणे रोगाः पवनसूदितिम्भूमङ्ग्या || घुं घुं घुं टं हेत्स युं युं युं घुं
मप्रयेत् || घुं घुं नरश्रीयं मितुं मिहूदियेगविडा || यमतं श्री
विश्रुद्धिः सूतुस मितुं सिरं क्रालं || कं यन्सूनमडं कत्रिधृष हयेड
तिश्रिडं || यषेपूंण रं वं येरनलभूधूनीपरं || रं न हूत्क्रिर
रेघूं हयेडेरं ज्रिमेणं रंड्या || मेनः श्लेष्मा नि वक्तुंचकुरस्मि मम
मरेड्या || श्वतूष नं मरेतु विनिदिषं लं भमडं यडः || णं डीवश्री

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

5.0. ॰य मेयमिद्धक्रः भवेत्केवलक्रुद्धकः ॥ केवले क्रुष्टके मिद्रोयपु
ख रकवल्लिदे ॥ नेडप्टदङ्गठं किड्डिड्डिखलेकेषु विहटे ॥ सुदः केवल
01 क्रुष्टनघषेत्रंव घुण र॰द्र ॥ र॰ योगपमैवलठउन इं म
यः ॥ दं विन र॰ योगे र॰ योगं विन द॰ः ॥ नमिद्धडिडड्युमम
जिष्पदुः भमद्दमेड ॥ क्रुष्टकंख॰ येव त्रेक्रः ष्लिंदुग्धिर॰ मृयं ॥ पवं
मद्दमयोगेनर॰ योगपफंलठड ॥ क्रुष्टकंक्रु॰ ष्लीगेण क्र॰ष्ली

𑇕𑇐 𑆥𑆶 𑇐𑇘

𑆩𑆽𑆬𑆴𑆫𑆴𑆪𑆁𑆢𑆴𑆤𑆼𑆬𑆵 𑇆 𑆇𑆓𑆑𑆥𑆳𑆬𑆴𑆤𑆵 𑇆 𑆖𑆶𑆫𑆮𑆽𑆢𑆑𑆳𑆫𑆳𑆁𑆓𑆼𑆪
𑆥𑆫𑆼𑆩𑆩𑆱𑆴𑆩𑆼 𑇆 𑆑𑆥𑆳𑆬𑆖𑆵𑆢𑆵𑆮𑆴𑆱𑆶𑆢𑆑𑆖𑆼𑆤𑆮𑆴𑆩𑆢𑆴𑆤𑆵 𑇆 𑆪𑆑𑆵
𑆤𑆴𑆓𑆢𑆱𑆶𑆬𑆵𑆑𑆥𑆩𑆼𑆢𑆼𑆩𑆬𑆴𑆤𑆵𑆑𑆁 𑇆 𑆥𑆳𑆪𑆁𑆢𑆢𑆁𑆑𑆳𑆢𑆢𑆤
𑆪𑆩𑆼𑆤𑆩𑆴𑆢𑆶𑆢𑆴 𑇆 𑆥𑆳𑆪𑆽𑆫𑆮𑆩𑆖𑆼𑆂𑆥𑆱𑆥𑆴𑆩𑆬𑆳𑆢𑆴 𑇆
𑆱𑆶𑆥𑆤𑆳𑆁𑆢𑆑𑆼𑆪𑆁𑆤𑆴𑆢𑆑𑆤𑆩𑆁𑆩𑆢𑆁 𑇆 𑆢𑆑𑆢𑆪𑆼𑆥𑆴𑆢𑆴𑆢𑆩𑆳𑆂
𑆥𑆮𑆤𑆶𑆲𑆩𑆢𑆢𑆳𑆁 𑇆 𑆢𑆤𑆩𑆴𑆢𑆴𑆓𑆢𑆁𑆩𑆶𑆢𑆢𑆩𑆢𑆮𑆤𑆩𑆲𑆩𑆼𑆢 𑇆

[illegible]

[illegible]

नमस्तुभ्यं ॥ उड्डीशी ॥ अनंतमंगलप्रद श्रीउड्डीश नमः प्रदं प्रनः ॥ घष
लगडिकेः स्तुतमय वणिमसुनम ॥ प्रववक्त्रमुघस्यं नेमये
णिङ्घ डडः ॥ ज्ञेषमेपलंकदे मेपनलविववनम ॥ न श्रीर
लौहंपं णःतुमेषविन मनं ॥ गच्छडमितुषुडःकरमहयं स्थपक्तम
कं ॥ श्रीङ्करः ॥ श्रीङ्करस्तुष वक्रेषु मैववविमलयेत् ॥ एव
महमयोगेनकमफेवेड्डिडीयकः ॥ योगिनीमनु मेहस्मश्रिमं

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

गेण्डे ठवेडा ॥ श्वनल भयभ्रु डेरु॰ मिद्धिः भूल्यबे ॥ वधः त्वम
ड्वमनेध मत्रडन फेमुः ड्रुनयवेम्बनिश्रुले ॥ श्वेगिड विस्तु
येग्निदीपनंन गीविष्णुह्रिद्रु मिद्धिलरुं ॥ इति श्री ठ॰ पूसि
पिकयं द्वितीयो पटलः ॥ २॥ ओं ममेलवनण ह्रीं पयरु
गेदि [illegible] पक्षः ॥ [illegible] डुत्रुं डुष ण गेदिकेंडली ॥ म्बडुं
ग्रदधम फेर्नेठण्डि भापम ठवेडा ॥ डष भव पिपद्रुगिठिहु

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ष्ठुयं मम दृष्टिवर्धनः शुक्रगतिमपहन्तु ॥ सोममृतस्रविमत्रुतंस्य
तेव्रुःशुक्रप्रयच्छतु ॥ शुक्रस्त्वमृत्युमम मङ्गलस्य ततस्तुष्ठयं कृतः ॥ शनैश्चरो
महाम सम्पत्सिद्धिः प्रयच्छतु ॥ वलीपलितवेगघ्नः सोमस्तुतेम ०
केतुस्ते ॥ राहुस्तुयं मम ग्रहप्रस्तु राहुर्विनाशयतु ॥ वह्निवृद्धि
कर्ता तैतसूर्यमि मिशु प्रसन्नं ॥ सर्वधनं त्रिपर्ते मेवयशोयसे
जिते जिते ॥ प्रसन्नं तस्मं पत्नि पापे पाठिदं सन ॥ मष्टाक्षि

ग० ३३

ऊर्ध्वमेवस्वरं स्थप्रथमं देवे ॥ वह्निस्थीपस्थमेव ग भ देवह्न

रम मनेतु ॥ श्मशानभैरवी ॥ मेरुस्य नलरस्यैलिङ्गं वैवरवेतु

वर्तु ॥ य वामिदं हृम पूर्वम्दसडिङभैरवीसिद्धिः ॥ कपालङ्क

दृष्टेलिङ्गस्थविष्णुविपरीतग ॥ ह्वैरत्रनतन्द्विषुस्त्रु ठवडि

भैरवी ॥ कालपराङ्गीरुद्धहृदिपपविवर्येतु ॥ म ठवेन्द्रेम

गीस्वरस्त्वेमनक्तद्रस्तुते ॥ रमर ... ब्रङ्गं रुद्र ... वंयसिद्धिषु

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]